

## LOK SABHA DEBATE

---



---

### LOK SABHA

---

**Friday, December 12, 2003/Agrahayana 21, 1925 (Saka)**

---

**The Lok Sabha met at Eleven of the Clock**

**(MR. SPEAKER in the Chair)**

**REFERENCE BY SPEAKER**

**RE: SECOND ANNIVERSARY OF**

**TERRORIST ATTACK ON PARLIAMENT**

**Title: Reference regarding second anniversary of terrorist attack on Parliament.**

**MR. SPEAKER:** Hon. Members may recall that two years ago, on 13<sup>th</sup> December, 2001, our Parliament was made the target of a cowardly terrorist attack. The attempts of the terrorists were brought to naught by the bravery displayed by the security personnel of the Central Reserve Police Force, Delhi Police, Indo-Tibetan Border Police and the Parliament Watch and Ward staff. In their efforts to safeguard the precincts of Parliament and its occupants by keeping the terrorists at bay, five security staff of Delhi Police, one *Mahila Constable* of the Central Reserve Police Force and two Security Assistants of the Parliament Watch and Ward made the supreme sacrifice of laying down their lives. One gardener also lost his life in the attack. On the occasion of the second anniversary of the terrorist attack, we pay our tributes to those brave souls who sacrificed their lives while performing their duties. This occasion is also a reminder to all of us to be always alert to the dangers posed to our country by terrorists and their supporters. On this occasion, therefore, let us renew our resolve to fight the evil of terrorism and protect the unity, integrity and sovereignty of our country.

**The House may stand in silence for a short while as a mark of respect to the memory of the martyrs.**

**11.01 hrs**

*(The Members then stood in silence for a short while.)*

**श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) :** अध्यक्ष महोदय, मुझे एक प्रार्थना करनी है। **â€œ** (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** आप प्रश्नकाल के बाद करिये।

...(व्यवधान)

**श्री रामजीलाल सुमन :** पूरे देश में हज यात्रियों को अत्यधिक असुविधा हो रही हैं और कुछ शर्तें लगाई गई हैं हज यात्रियों पर। **â€œ** (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** आप यह मामला ज़ीरो आवर में उठाइए।

**श्री रामजीलाल सुमन :** अध्यक्ष महोदय, विदेश मंत्री यहां बैठे हुए हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है। उन पर नई शर्तें लगाई गई हैं और किसी को विश्वास में नहीं लिया गया। हालत यह है कि उत्तर प्रदेश में रहने वाला एक व्यक्ति जो इनकम टैक्स देता है, उसको दिल्ली से जाना पड़ेगा और उसके माँ-बाप और पत्नी आदि लखनऊ से जाएंगे। यह बिल्कुल अव्यावहारिक है। हज यात्रियों को इससे अत्यधिक असुविधा हो रही है। किसी को विश्वास में नहीं लिया गया। **â€œ** (व्यवधान) एक अतिनिधिमंडल भी विदेश मंत्री जी से मिला था। विदेश मंत्री जी सदन को आश्वस्त कर दें। **â€œ** (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** आपको मालूम है कि कालिंग अटैन्शन नोटिस को प्रश्न काल के बाद प्रायःरिटी मिलती है लेकिन यह वियंग गंभीर होने के कारण केवल इस वियंग को मैं कालिंग अटैन्शन से पहले दो मिनट दे दूँगा। अभी आप बैठिये।

...(व्यवधान)

**श्री रामजीलाल सुमन :** अध्यक्ष महोदय, विदेश मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं। **â€œ** (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** हर दिन मुझे यह बताने की ज़रूरत नहीं पड़नी चाहिए कि क्वैश्चन आवर के समय केवल क्वैश्चन आवर होगा और आपको कुछ वियंग उठाना है।

तो ज़ीरो आवर में उठा सकते हैं। प्लीज़, अभी बैठिये। मैं नियम के अनुसार काम करूँगा। ऐसा नहीं चलेगा।

...(व्यवधान)

**श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर)** : माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय विदेश मंत्री जी से मैं मिला था। उन्होंने कल आदेश कर दिया है। **ट्रैफि (व्यवधान)** अध्यक्ष महोदय, मैं आपको सूचना देना चाहता हूँ कि उन्होंने कहा कि देश के किसी भी एयरपोर्ट से सारे लोग जेद्दाह के लिए जा सकते हैं। **ट्रैफि (व्यवधान)**

**अध्यक्ष महोदय** : मैंने प्रश्न-काल ले लिया है। माननीय सदस्य प्रश्न पूछना चाहते हैं। अभी आप बैठिए।

**ट्रैफि (व्यवधान)**

**श्री रामजीलाल सुमन** : अध्यक्ष महोदय, विदेश मंत्री जी, यहां बैठे हुए हैं। **ट्रैफि (व्यवधान)**

**अध्यक्ष महोदय** : राशिद जी, यह प्रश्न बहुत महत्वपूर्ण है। इसीलिए मैंने कहा है।

**ट्रैफि (व्यवधान)**

**अध्यक्ष महोदय** : अब, रामदास आठवले जी, अब मैं आपको क्या कहूँ ?

...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय** : मैं यह जानता हूँ कि इसके बाद कॉलिंग अटेंशन मोशन चर्चा के लिए है, लेकिन चूंकि यह प्रश्न महत्वपूर्ण है और मैंने आपसे प्रॉमिस किया है, इसलिए कॉलिंग अटेंशन मोशन पर चर्चा प्रारम्भ होने से पहले मैं आपको इस प्रश्न को सदन में उठाने के लिए मौका दूँगा। इसलिए आपको भी मुझसे को-आपरेट करना चाहिए।

...(व्यवधान)

**कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.)** : अध्यक्ष महोदय, मैंने भी लिखकर दिया है, **ट्रैफि (व्यवधान)**

**अध्यक्ष महोदय** : अखिलेश जी, आप बैठिए। मंत्री जी को मैंने बुलाया है और वे आने वाले हैं। उसके बाद मैं फैसला कर पाऊँगा।

...(व्यवधान)

**श्री श्रीप्रकाश जायसवाल** : अध्यक्ष महोदय, मेरी जानकारी के अनुसार गवर्नर्मेंट ने इस संबंध में निर्णय ले लिया है। मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि विदेश मंत्री जी खुद यहां आकर उसे घोषित कर दें।

**अध्यक्ष महोदय** : ठीक है।

MR. SPEAKER: Question 161, Shri Mansingh Patel. He is not present. Shrimati Rajkumari Ratna Singh. She is also not here.

Now I go to the Question No. 162. Shri Suresh Kurup.